Total Pages : 3 Roll. No. : .....

Examination Session June-2022

(Fourth Semester)

MAJY-610

M.A. Jyotish (MAJY)

[ज्योतिष शास्त्र एवं यात्रा विमर्श - 02]

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×20=40

1. शकुन से आप क्या समझते हैं ? यात्रा काल में शुभाशुभ शकुन का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. यात्रा में कृत्याकृत्य विचार का प्रतिपादन कीजिए।

3. यात्रा काल में गुरू–शुक्र का विचार क्यों आवश्यक है ? स्पष्ट रूप से लिखिए।

4. यात्रा में दिक् शुद्धि एवं दिशाशूल विचार कैसे किया जाता है ? परिहार सहित लेखन कीजिए।

5. भावफल से क्या तात्पर्य है ? गुरू एवं शुक्र का भावफल लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. त्रिविध यात्रा क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

2. ज्योतिष और यात्रा पर निबन्ध लिखिए।

3. यात्रा में प्रशस्त नक्षत्र एवं लग्न का उल्लेख कीजिए।

4. वशिष्ठ संहिता के अनुसार शुक्र विचार का लेखन कीजिए।

5. भद्रा विचार कैसे किया जाता है ? परिहार सहित लेखन करें।

6. अशुभ शकुन का वर्णन करते हुए उसका परिहार लिखिए।

7. यात्रा विधि का वर्णन करते हुए यात्रापंचक शुद्धि बतलाइये।

8. ज्योतिष शास्त्र के महत्व पर प्रकाश डालिए।

****